हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 185 देहरादून, सोमवार, 15 जनवरी, 2024 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

सीएम धामी ने कैंची धाम परिसर की साफ़सफाई कर की पूजा अर्चना 3

राज्य में जन सहभागिता से स्वच्छता अभियान व्यापक स्तर पर चलाया जाए : मुख्यमंत्री

शहरों को स्वच्छता रैंकिंग में ऊपर लाने के लिए प्रभावी कार्ययोजना बनाई जाए

- स्कूलों में खेल मैदानों को सुदृढ़ बनाने के लिए शिक्षा विभाग
- विकास प्राधिकरण एवं नगर निकाय समन्वय से कार्य करें
- खाने की बर्बादी को रोकने के लिए जागरूक किया जाए

प्रत्येक जनपद एवं ब्लॉक स्तर पर जन उपयोगी पुस्तकों की लाईब्रेरी बनाई जाए

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 15 जनवरी , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास में उच्च स्तरीय बैठक लेते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य में स्वच्छता अभियान व्यापक स्तर पर चलाया जाए। उन्होंने कहा कि स्वच्छता के प्रति जागरूकता के साथ ही इसके लिए जन सहभागिता भी सुनिश्चित की जाय। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि एक साल के अंदर देहरादून, हरिद्वार, रुद्रपुर, हल्द्वानी और कोटद्वार को स्वच्छता रैंकिंग में ऊपर लाने के लिए सुनियोजित योजना बनाकर कार्य किए जाय। जिन राज्यों में स्वच्छता के लिए अच्छे कार्य हुए हैं, उन राज्यों की बेस्ट प्रैक्टिस को भी अपनाया जाय। मुख्यमंत्री ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड में करोड़ों श्रद्धालु दर्शन करने के लिए आते हैं। यह सुनिश्चित किया जाय कि देवभूमि उत्तराखंड की स्वच्छता का संदेश देश- दुनिया तक जाए। उन्होंने कहा शहरों के सौंदर्यीकरण और इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट की दिशा में भी निरंतर कार्य किए जाय। उन्होंने कहा कि जन सहभागिता से ही जन सरोकारों से संबंधित अभियान सफल होते हैं, स्वच्छता अभियान में भी जन सहभागिता और सामाजिक संगठनों का पूरा सहयोग लिया जाय।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में बुके नहीं बुक की संस्कृति बनाई जाय, विभिन्न कार्यक्रमों और अतिथियों को भेंट करने के लिए बुके के स्थान पर बुक भेंट की जाय। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि हर जनपद एवं ब्लॉक में एक-एक लाइब्रेरी बनाई जाय। लाइब्रेरी में जन सामान्य और प्रतियोगी परीक्षाओं में भाग लेने वालों के लिए के लिए उपयोगी पुस्तकों की व्यवस्था की जाय। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेलों को बढ़ावा देने और युवाओं को नशा मुक्त अभियान से जोड़ने के उद्देश्य से स्कूलों में खेल मैदानों को सुदृढ़ करने के लिए शिक्षा विभाग से समन्वय कर विकास प्राधिकरण और नगर निकाय कार्य करें, ताकि शैक्षणिक समय के बाद इन खेल मैदानों का खेल प्रेमियों की सुविधा के लिए बेहतर उपयोग हो सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी आयोजनों में खाने की बर्बादी न हो, खाने के दुरुपयोग को रोकने के लिए प्रभावी कार्य योजना बनाई जाय। निजी समारोहों में खाने के दुरुपयोग को रोकने के लिए भी जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश मुख्यमंत्री ने दिए। बैठक में अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, सचिव शैलेश बगोली, विनय शंकर पाण्डेय, विशेष सचिव डॉ. पराग मधुकर धकाते, एडीजी ए. पी अंशुमन, महानिदेशक शिक्षा बंशीधर तिवारी उपस्थित थे।

कुमाऊं के प्रसिद्ध उत्तरायणी मेले का आगाज

संस्कृति के संरक्षण में मेलों की महत्वपूर्ण भूमिका : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

बागेश्वर , 15 जनवरी , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि संस्कृति के संरक्षण में मेलों की महत्वपूर्ण भूमिका है। कुमाऊँ की काशी बागनाथ नगरी में लगने वाले उत्तरायणी मेले का संस्कृति व धार्मिक महत्व है। मुख्यमंत्री उत्तरायणी मेले के शुभारंभ के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में वर्चुवल रूप से जनता को संबोधित किया। इससे पूर्व सांसद अजय टम्टा व जिपं अध्यक्ष बसंती देव, विधायक सुरेश गड़िया तथा पार्वती दास समेत जिलाधिकारी अनुराधा पाल ने रिबन काटकर व दीप प्रज्ज्वलित करके मेले का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयास से राज्य में मानसखंड व केदारखंड को विश्व पटल पर लाया गया है। मुख्यमंत्री ने जनता को उत्तरायणी मेले की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस बार की मकर संक्रांति व माघ माह खास इसलिए है कि इस बार अयोध्या में बहुप्रतीक्षित राम विराजमान हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अन्य कार्यक्रमों के पूर्व नियोजित होने व शासकीय कार्यों की व्यस्तता के चलते वे खुद मेले में पहुंच नहीं पाए। उनकी हार्दिक इच्छा थी कि वे मेले में स्वयं आएं। उन्होंने देवभूमि के लोकपर्व उत्तरायणी और मकर संक्रांति की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कुमाऊँ की काशी, बागेश्वर में बाबा बागनाथ के मंदिर की छांव तले, सरयू गोमती और अदृश्य सरस्वती नदी के संगम तट पर आयोजित होने वाले उत्तरायणी मेले की आप सभी को बधाई देता हूँ। उन्होंने कहा मकर संक्रांति एकमात्र पर्व है, जिसका आध्यात्मिक और वैज्ञानिक दोनों ही दृष्टियों से व्यापक महत्व है। कहा कि उत्तरायणी मेले ने लोगों को जोड़ने का कार्य किया है।

मकर संक्राति के पावन अवसर पर पतित-पावनी सरयू नदी खासकर त्रिमाघी स्नान के साथ पौराणिक बागनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना का पौराणिक काल से ही विशेष धार्मिक महत्व रहा है। राष्ट्र और संस्कृति को प्रत्यक्ष रूप से जानने का अवसर प्रदान करने वाला यह सांस्कृतिक मेला, निश्चित रूप से हमारी आगामी पीढ़ी के लिए सामाजिक समरसता को प्रगाढ़ करने का कार्य करेगा। उन्होंने स्वतंत्रता सेनानी बद्री दत्त पांडे समेत कई सेनानियों को नमन करते हुए कहा कि उनकी प्रेरणा से कुली बेगार जैसी कुप्रथा का अंत हुआ। मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड राज्य को सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति का योगदान और स्वच्छता को संस्कार के रूप में अपनाने की भी जनता से अपील की।

प्रदेशवासियों को मकर संक्रांति एवं उत्तरायणी पर्व की हार्दिक बधाई : मुख्यमंत्री

देहरादून , 15 जनवरी , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेशवासियों को मकर संक्रांति एवं उत्तरायणी पर्व की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दी है। इस अवसर पर जारी अपने शुभकामना संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि सूर्यदेव की उपासना, दान एवं धर्म परायणता का यह पर्व लोगों के जीवन में उत्साह और उमंग का संचार करता है। यह पर्व हमारे देश की समृद्ध विरासत और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति में मकर संक्रांति और इस अवसर पर किये जाने वाले दान-पुण्य का विशेष महत्व होता है। यह पावन पर्व माँगलिक कार्यों के शुभारम्भ से भी जुड़ा है। मुख्यमंत्री ने कामना की कि भगवान सूर्य की आराधना का यह पर्व हम सबके जीवन में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार करे।

ये है स्वर्ग का मंदिर, जहाँ पीएम मोदी ने किया था योग

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 15 जनवरी , अयोध्या में श्री रामलला के भव्य मंदिर का उद्घाटन 22 जनवरी को होने जा रहा है. इस उत्सव में भाग लेने के लिए पूरा भारत उल्लास से भर गया है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि दुनिया में एक ऐसा मंदिर भी है जिसे 'स्वर्ग का मंदिर' कहा जाता है. इस मंदिर का दौरा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी कर चुके हैं. इस मंदिर की कहानी काफी दिलचस्प है.

15वीं शताब्दी में किया गया था निर्माण

'स्वर्ग का मंदिर' चीन के बीजिंग शहर में स्थित है. इसका निर्माण 15वीं शताब्दी में किया गया था. ऐतिहासिक साक्ष्यों के अनुसार, चीन में मध्ययुगीन शासन के दौरान, सम्राट को 'ईश्वर का पुत्र' और सर्वोच्च अधिकारी माना जाता था. बादशाह भगवान से अच्छी फसल के लिए प्रार्थना करते थे. वह इस मंदिर में जाते थे. इस काल में शाही समारोह आयोजित किये गये. ऐसा कहा जाता है कि प्रार्थनाओं के कारण राज्य में फसल बहुत अच्छी हुई थी. तभी से इसका सीधा संबंध ईश्वर से माना जाने लगा. यह मंदिर धरती और स्वर्ग के रिश्ते का प्रतीक माना जाता है. इसे चीन के मूल धर्म और दर्शन

ताओवाद का मंदिर भी कहा जाता है और यहां ताओ के अनुसार पूजा और धार्मिक अनुष्ठान किये जाते हैं.

600 कमरे और 92 प्राचीन इमारतें

2.73 किलोमीटर में फैले इस लकड़ी के मंदिर की संरचना इतनी आश्चर्यजनक है कि आप मंत्रमुग्ध हो जाएंगे. मंदिर परिसर में 600 कमरे और 92 प्राचीन इमारतें हैं. विशाल मंदिर के मध्य में एक गोलाकार संगमरमर का बरामदा है जिसके मध्य में एक प्रार्थना कक्ष है. पूरे मंदिर को नीले, लाल और मैरून रंग से सजाया गया है. हॉल का निर्माण पूरी तरह से लकड़ी से किया गया है, इसमें एक भी कील का इस्तेमाल नहीं किया गया है. प्रार्थना कक्ष के अंदर गहरे नीले रंग की छत की टाइलें एक स्वर्गीय एहसास देती हैं। यह ध्यान और धार्मिक अभ्यास के लिए सर्वोत्तम स्थान माना जाता है. यहां आपको कई लोग योगाभ्यास और ध्यान करते हुए दिख जाएंगे.

पीएम मोदी ने यहां का दौरा किया था

जियाजिंग सम्राट जू होउकोंग ने स्वर्ग का मंदिर, सूर्य का मंदिर, पृथ्वी का मंदिर और चंद्रमा का मंदिर भी बनवाया. 1911 में स्वर्ग मंदिर पर प्रतिबंध लगा दिया गया. वहां आम लोगों के जाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया. लेकिन बाद में इसका जीर्णोद्धार किया गया और 1918 में इसे जनता के लिए खोल दिया गया. आज इस मंदिर में हर साल लाखों लोग आते हैं. मई 2015 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी 'द टेम्पल ऑफ हेवन' का दौरा किया था. उन्होंने यहां योग भी किया था।

PCS अफसरों के ट्रांसफर ने बदले अफसरों के स्टेशन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 15 जनवरी , एक बार फिर धामी सरकार की ट्रांसफर ट्रेन दौड़ी है जिसमें कई अफसरों के स्टेशन बदले गए गए हैं। जी हाँ , उत्तराखंड शासन ने पीसीएस अफसरों के तबादलों की सूची जारी की है। तबादला सूची में राजधानी देहरादून, गढ़वाल तथा शासन में तैनात अफसर शामिल हैं। सभी अधिकारियों को तत्काल नई तैनाती स्थल पर कार्यभार संभालने के निर्देश दिए हैं।

पढ़िए पीसीएस तबादलों की लिस्ट -

शासन से आ रही खबर के मुताबिक ट्रांसफर किये गए अधिकारियों में किशन सिंह नेगी को विशेष भूमि अध्यप्ति अधिकारी के पद से हटाते हुए उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय मुख्य निर्वाचन अधिकारी देहरादून की जिम्मेदारी दी गई है। मुक्ता मिश्रा को संयुक्त निदेशक

शहरी विकास के अलावा उपमुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय मुख्य निर्वाचन अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है। स्मृता परमार को उपसचिव उत्तराखंड सूचना आयोग से हटाते हुए विशेष भूमि अध्यप्ति अधिकारी देहरादून की जिम्मेदारी दी गई है। नवाजिश खालिक को डिप्टी कलेक्टर पौड़ी से हटाते हुए डिप्टी कलेक्टर उत्तरकाशी की जिम्मेदारी दी गई।

राहुल कुमार गोयल को नगर आयुक्त नगर निगम ऋषिकेश से हटाया गया है। उन्हें गढ़वाल मंडल के आयुक्त कार्यालय में सम्बद्ध किया गया है। शैलेश सिंह नेगी को डिप्टी कलेक्टर टिहरी की जिम्मेदारी से हटाते हुए नगर आयुक्त नगर निगम ऋषिकेश की बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा चतर सिंह चौहान को डिप्टी कलेक्टर उत्तरकाशी के पद से हटाते हुए डिप्टी कलेक्टर पौड़ी बनाया गया है। युक्ता मिश्रा को डिप्टी कलेक्टर देहरादून से डिप्टी कलेक्टर पौड़ी के लिए भेजा गया है। अबरार अहमद को पौड़ी से डिप्टी कलेक्टर चमोली भेजा गया।

32 करोड़ वाले पहाड़ी शंभू की अनोखी राम भक्ति

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 15 जनवरी , देश भर में राम नाम की गूंज है। देश के अलग अलग कोने में श्रद्धालु अपने अपने अंदाज़ में राम भक्ति दिखा रहे हैं ऐसे में हम आपको सल्ट के ऐसे रामभक्त के बारे में बता रहे हैं जिनका नाम है शंभु दयाल खर्कवाल है और ये 32 वर्षों से नाम का राम की महिमा के गुणगान कर रहे हैं। अब तक वह 32 करोड़ बार राम का नाम लिख चुके हैं। प्राण प्रतिष्ठा के दिन वह अयोध्या में जाकर राम लला के दर्शन करना उनकी एकमात्र इच्छा है।

32 सालों से जप रहे राम नाम

सल्ट निवासी शंभू दयाल खर्कवाल की उम्र 62 वर्ष है और वो चाय की दुकान चलाते हैं। वह बीते 32 वर्षों से राम का नाम जप रहे है। उनका एक आदर्श वाक्य है राम राम बोल, राम राम सुन व राम राम लिख। यही शब्द वह 30 वर्ष की उम्र से लिख रहे है। वर्ष 1990 से राम का नाम लिखने की मुहिम शुरू हुई थी और अब तक वह 32 करोड़ बार राम का नाम लिख चुके हैं। शंभु दयाल खर्कवाल की सुबह भी राम नाम से होती है और रात भी राम नाम से ही होती है। स्थानीय लोग भी उनके इस समर्पण के मुरीद है। उनका कहना है कि कलयुग में ऐसा भक्त नहीं दिखाई देता है। पूजा पाठ तो सब ही करते हैं। लेकिन ऐसी भक्ति नहीं देखी।

30 साल में आया ये ख्याल

शंभू दयाल खर्कवाल ने कहा कि वह भगवान राम के भक्त है। जब वह 30 वर्ष के थे तो उनको ख्याल आया कि राम का नाम जपने के साथ लिखना भी चाहिए। तो वह शुरू हो गए। जब भी खाली समय होता है वह लिखते रहते हैं। कई पोथियां राम नाम से भर गई है। लोगों को भी राम नाम जपने का संदेश देते है। शंभु दयाल खर्कवाल की इच्छा है कि अयोध्या में होने वाली राम लला की प्राण प्रतिष्ठा पर वह मौजूद रहे। भगवान राम की इच्छा होगी तो यह भी संभव हो जाएगा।

गंभीर बीमारियों का इलाज उत्तराखंड की लाजवाब चाय

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 15 जनवरी : नैनीताल का खूबसूरत पहाड़ी शहर नैनीताल में अंग्रेजों के जमाने में इस शहर की रौनक देखते ही बनती थी। भारत में चाय पीने का चलन अंग्रेज ही लेकर आए थे। देश की आजादी के बाद अंग्रेज तो चले गए, लेकिन चाय यहीं की होकर रह गई।

उत्तराखंड के अलग-अलग हिस्सों के अलावा नैनीताल के श्यामखेत में भी ऑर्गेनिक चाय का उत्पादन किया जा रहा है। यहां मिलने वाली ऑर्गेनिक चाय स्वाद और सेहत दोनों के पैमाने पर फिट है। श्यामखेत में पैदा होने वाली चाय एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर है। जो कि बीपी और शुगर जैसी गंभीर बीमारियों को दूर रखने में मदद करती है। नैनीताल घूमने आने वाले सैलानियों की यहां की ऑर्गेनिक चाय खूब भा रही है। पर्यटक यहां उगने वाली ऑर्गेनिक चाय की चुस्की लेने के लिए पहुंच रहे हैं, जो औषधीय गुणों से भरपूर है। श्यामखेत में मिलने वाली ऑर्गेनिक चाय की डिमांड देश ही नहीं विदेशों में भी है। आगे जानिए इसके बेमिसाल फायदे।

सेहत के लिए फायदेमंद होने की वजह से विदेशों में इसकी डिमांड तेजी से बढ़ रही है। यहां की चाय को कोलकाता के रास्ते जापान, कोरिया, इंग्लैंड, इटली समेत कई

देशों में भेजा जा रहा है। लोग चाय बागान घूमने आते हैं, यहां सेल्फी भी लेते हैं। श्यामखेत में चाय बागान की स्थापना साल 1991 में की गई थी। बागान में सालाना करीब 5 हजार किलो जैविक चाय का उत्पादन किया जा रहा है। जिससे चाय विकास बोर्ड को हर साल 45 लाख रुपये का राजस्व मिल रहा है। टी बोर्ड के मैनेजर नवीन चंद्र पांडे बताते हैं कि अच्छी मिट्टी और मौसम की वजह से बागवानी में जैविक चाय का बेहतर उत्पादन हो रहा है। चाय को उगाने के लिए किसी तरह के केमिकल का इस्तेमाल नहीं किया जाता। उत्पादन में सिर्फ कंपोस्ट खाद यूज होती है, जिससे चाय के औषधीय गुण बन रहे हैं। चाय की पैदावार से उत्तराखंड चाय विकास बोर्ड को लाखों का राजस्व मिलने के साथ ही स्थानीय युवाओं को रोजगार भी मिला है।

सीएम धामी ने कैंची धाम परिसर की साफ़सफाई कर की पूजा अर्चना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

कैंचीधाम , 15 जनवरी , प्रदेश के सभी धार्मिक स्थलों और प्रतिष्ठानों में 14 जनवरी से 22 जनवरी तक सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। कैंचीधाम से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश में ₹सांस्कृतिक उत्सव₹ का शुभारंभ किया। उन्होंने कैंचीधाम और घोड़ाखाल मंदिर में स्वच्छता अभियान चलाकर जन जन को इस मुहिम से जुड़ने का आह्वान किया। सर्वप्रथम उन्होंने कैंची धाम में श्री राम शिला की साफ सफाई कर पूजा अर्चना की। फिर कैंची धाम मंदिर परिसर में आयोजित श्री राम भजन कार्यक्रम में भी सम्मिलित हुए। रामभक्ति में लीन होकर रामभजनों की स्तुति की।मुख्यमंत्री ने इससे पूर्व कैंची धाम में नीब करौरी बाबा की पूजा अर्चना कर प्रदेश की सुख, समृद्धि, शांति, एवं खुशहाली की कामना की।

सीएम ने रामभक्ति में लीन होकर की रामभजनों की स्तुति

■ कैंचीधाम परिसर और घोड़ाखाल मंदिर में चलाया स्वच्छता अभियान

■ उत्तराखंड में सांस्कृतिक उत्सव और स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन

मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कैंचीधाम में आए भक्तों को प्रसाद वितरण किया। साथ ही विभिन्न प्रदेशों से आए लोगों से सरकार की कार्यप्रणाली के बारे में फीडबैक भी लिया। स्वच्छता अभियान में शामिल पर्यावरण मित्रों के कार्यों की सराहना करते हुए उनसे बातचीत की। मुख्यमंत्री ने स्कूली बच्चों, स्वयं सहायता समूह, ग्राम प्रधानों एवं पर्यावरण मित्रों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि 22 जनवरी का दिन ऐतिहासिक दिन होगा। इस दिन शुभमुहूर्त में रामलला अयोध्या में विराजमान होंगे, जो कि हमारे देश के लिए एक शुभ समय और संकेत है। लंबे वर्षों के इंतजार के बाद रामलला अयोध्या में विराजमान होने जा रहे है। इस उपलक्ष्य पर राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में जन सहभागिता से सांस्कृतिक उत्सव और समस्त धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों पर विशेष साफ सफाई अभियान चलाया जा रहा है। आने वाले पांच दशकों को ध्यान में रखते हुए कैंची धाम का मास्टर प्लान होगा तैयार

अब कैंची धाम की मान्यता वैश्विक पटल तक पहुंच पहुंच गई है।

हर रोज कैंची धाम में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में इजाफा होता जा रहा है। भक्तों की आस्था, भाव और आने वाले पांच दशकों में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या का आकलन करते हुए सरकार कैंची धाम का मास्टर प्लान तैयार कर रही है। कैंची धाम मास्टर प्लान से आने वाले समय में श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा मिलेगी। धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन बढ़ेगा और सरकार की आर्थिकी सुदृढ़ होगी।

सीएम धामी ने किया 24.68 करोड़ रूपये की योजनाओं का शिलान्यास

कैंची धाम पहुंचे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का महिलाओं ने फूल मालाओं के साथ स्वागत किया। इस दौरान सीएम धामी ने 24.68 करोड़ की लागत के शिलान्यास किए। जिसमें सैनिटोरियम से सिरोड़ी मार्ग का सुधारीकरण और डामरीकरण के लिए 1214.71 लाख,सैनिटोरियम से नैनीबैंड तक भवाली का निर्माण कार्य सुधारीकरण और डामरीकरण के लिए 1162.32 लाख, कैंची हरतपा - हली मोटर मार्ग का नाम परिवर्तन कर शहीद लांस नायक संजय बिष्ट मार्ग का और नगर निगम हल्द्वानी वार्ड 54 में नीम के पेड़ से प्रताप सिंह बिष्ट के घर तक मार्ग का सुधारीकरण के लिए 90.65 लाख का शिलान्यास किया।

इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष बेला तोलिया, जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट, विधायक नैनीताल सरिता आर्य, भीमताल राम सिंह कैड़ा, रानीखेत प्रमोद नैनवाल, मंडी बोर्ड अध्यक्ष डा अनिल डब्बू, पेयजल अनुश्रवण समिति अध्यक्ष दिनेश आर्य, जिला महामंत्री रंजन बरगली, नवीन भट्ट, प्रकाश हरबोला, डीआईजी योगेंद्र सिंह रावत, जिलाधिकारी वंदना सिंह, एसएसपी पी.एन मीना, एडीएम पी आर चौहान, नगर आयुक्त पंकज उपाध्याय, एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

डीएम सोनिका ने आईएसबीटी परिसर में सफाई अभियान चलाया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 15 जनवरी , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों के क्रम में जिलाधिकारी/ प्रशासक नगर निगम देहरादून सोनिका ने आईएसबीटी एवं अन्य स्थानों पर टीम के साथ सफाई करते हुए जनपद में स्वच्छता अभियान का विधिवत शुभारंभ किया। जिलाधिकारी के नेतृत्व में समाजसेवी, नगर निगम के अधिकारियों/ कार्मिकों एवं पर्यावरण मित्रों ने आईएसबीटी परिसर में सफाई अभियान चलाया। सफाई अभियान के तहत जिलाधिकारी ने दिया जनपदवासियों को अपने अपने परिसर में स्वच्छ रखने का संदेश।

जिलाधिकारी ने जनपद वासियों से चलाई जा रहे सफाई अभियान में प्रतिभाग करने के लिए की अपील। साथ ही टीम द्वारा शहर के पंचायती मंदिर दर्शन लाल चौक, पल्टन बाजार, रेलवे स्टेशन सहित विभिन्न स्थलों में सफाई अभियान चलाया गया। वही जिलाधिकारी के निर्देशन पर रेखीय विभाग के अधिकारियों द्वारा सेलाकुई, विकासनगर, डोईवाला, ऋषिकेश आदि क्षेत्र में भी गठित टीम अधिकारी, कार्मिक, स्वयसेवी, पर्यावरण मित्रो द्वारा वृहद स्तर पर सफाई अभियान चलाया गया।

जिलाधिकारी ने सभी जनपदवासियों से कूड़े को सुव्यवस्थित रखते हुए, गीला एवं सुखा कूड़ा घरों से ही अलग-2 करने, कूड़ा निर्धारित स्थान एवं कूड़ा उठान वाहनों में डालें, तथा शहर सहित समस्त जनपद को स्वच्छता रखने में सहयोग करने का अनुरोध किया। उन्होने अनुरोध किया कि नदी, नालों तथा खुले स्थानों में कूड़ा ना डालें इसके लिए अन्य को भी जागरूक करें। स्वच्छता हम सभी की जिम्मेदारी है, इसके लिए नगर निगम, जिला प्रशासन द्वारा बनाईं गई व्यवस्थाओं का पालन करें तथा इसको और अधिक कारगर कैसे बनाया जाए, सुझाव भी दें।

आयोजित किए गए स्वच्छता अभियान में विधायक धर्मपुर विनोद चमोली, नगर आयुक्त नगर निगम देहरादून गौरव कुमार, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रामजीशरण शर्मा, नगर मजिस्ट्रेट प्रत्यूष सिंह, उप नगर आयुक्त गोपाल बेनीवाल, मुख्य नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अविनाश खन्ना, सहायक नगर आयुक्त शांति प्रसाद जोशी , विजय प्रताप चौहान, सहायक निदेशक सूचना बी सी नेगी, समस्त सफाई निरीक्षक सुपरवाइजर, पर्यावरण मित्र, जनप्रतिनिधि तथा समाजसेवी सम्मिलित रहे।

डी आई टी विश्वविद्यालय में मनाई गई विवेकानंद जयंती

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। डी आई टी विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं नेहरू युवा केंद्र संगठन देहरादून के सौजन्य से स्वामी विवेकानंद जी की जयंती मनाई गई कार्यक्रम का शुभारंभ डी आई टी विश्वविद्यालय के प्रो वाइस चांसलर प्रोफेसर प्रियदर्शन पत्र एवं कैंट क्षेत्र की विधायक श्रीमती सविता कपूर जी द्वारा किया गया।

उद्घाटन सत्र के दौरान नेहरू युवा केंद्र के राज्य निदेशक श्री आर्यन त्यागी ने आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री एक सिंह जी द्वारा कार्यक्रम की रूपरेखा को विस्तार पूर्वक बताया गया सात दिन तक चलने वाले इस कार्यक्रम में देहरादून ट्रैफिक पुलिस के साथ सड़क सुरक्षा सप्ताह अभी मनाया जाएगा सड़क सुरक्षा सप्ताह भी मनाया जाएगा जिसमें विश्वविद्यालय के छात्र देहरादून के विभिन्न चावन पर नुक्कड़ नाटक के द्वारा यातायात के विषय में जागृति प्रदान करेंगे उत्तराखंड एड्स कंट्रोल सोसायटी द्वारा नुक्कड़ नाटक का आयोजन भी किया गया जिसमें युवाओं को नशे से होने वाले दुष्प्रभाव के बारे में बताया गया कार्यक्रम का संचालन विश्वविद्यालय के के डॉक्टर डॉ नवीन सिंगला द्वारा किया गया द्वारा किया गया कार्यक्रम के अंत में छात्रों द्वारा एक रैली भी निकल गई रैली के द्वारा छात्रों के बीच यातायात की समस्याओं को कुशल रूप से चित्रित किया गया। अंत में श्री श्री आर्यन त्यागी ज्वाला सभी का धन्यवाद किया गया।

अभ्युदय वात्सल्यम के 'सांस्कृतिक उत्सव' में हुआ खिचड़ी महाभोज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 15 जनवरी , अभ्युदाय वात्सल्यम संस्था द्वारा के द्वारा उत्तरायणी कौतिक एवं मकर संक्रांति उत्सव 2024 का आयोजन किया गया। अभ्युदाय वात्सल्यम संस्था द्वारा सांस्कृतिक उत्सव का भी आयोजन किया जा गया जिसका शुभारंभ मकर संक्रांति एवं उत्तरायणी कौतिक की आयोजन के साथ हुआ जो 22 जनवरी 2024 तक अयोध्या में श्री राम मंदिर में मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की तिथि तक यानी 22 जनवरी 2000 तक चलेगा । कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि कैंट विधायक सविता कपूर और सचिव एच एस सेमवाल द्वारा दीपप्रज्वलित कर किया गया ।

इस अवसर पर उत्तराखंड में शासन में संस्कृति, महिला बाल विकास और सिंचाई विभाग के सचिव हरिशचंद्र सेमवाल ने नशामुक्ति को लेकर ₹अभ्युदय वात्सल्यम₹ संस्था द्वारा जारी पोस्टर का विमोचन किया। वही उन्होंने कहा कि प्रदेश में तेजी से बढ़ता जा रहा नशे का प्रकोप के रोक -थाम में यह पोस्टर बेहद उपयोगी साबित होगा। उन्होने कहा कि सरकार भी अपने स्तर पर नशे के खिलाफ बेहद गंभीरता से कदम उठा रही है।

इस कार्यक्रम को लेकर सचिव मुख्यमंत्री एवं मण्डलायुक्त गढ़वाल विनय शंकर पांडेय ने उपस्थिति ना दर्ज कराने पर खेद व्यक्त किया और फोन कर उन्होंने अपनी शुभकामनाएं भेट की। उसके बाद सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गयी । सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देने में लोकगायिका मीना बिष्ट,नन्दी मेहरा, लोकगयक हरीश मेहरा 'हरदा' नैनोई, मनोज सावंत एवं नन्हे मुन्ने बच्चे प्रमुख रूप से रहे । ₹अभ्युदय वात्सल्यम₹ संस्था की अध्यक्ष एवं निदेशक डॉ (श्रीमती) गार्गी मिश्रा ने कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि,विशिष्ट अतिथि, सभी अतिथियों, आमंत्रित गणों के प्रति अपना व्यक्त किया। गार्गी मिश्रा ने बताया कि संस्था द्वारा सांस्कृतिक उत्सव का कार्यक्रम आज से लेकर 22 जनवरी 2024 तक सघन रूप से संचालित किया जाएगा ।

अभ्युदय वात्सल्यम संस्था की अध्यक्ष गार्गी मिश्रा एवं कैंट विधायक सविता कपूर द्वारा उपस्थित व्यक्तियों को उत्तराखंड राज्य हेतु ₹पंच शपथ₹ दिलाया गया.....

1– देवभूमि उत्तराखण्ड के सर्वांगीण विकास हेतु प्रतिपल प्रयासरत रहते हुए इसे अग्रणी राज्य बनाने के लिए अपना श्रेष्ठतम योगदान देंगे।2– साफ-सफाई ,जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण के प्रति समर्पण दर्शाते हेतु अपना श्रेष्ठतम योगदान देंगे ।जल स्रोतों, देवालयों की स्वच्छता रखने के साथ साथ अपनी सांस्कृतिक विरासत एवं मूल्यों की समृद्धि में श्रेष्ठतम योगदान देंगे।3-किसी भी नशीले पदार्थ का न तो सेवन करेंगे, न ही अपने आसपास किसी को करने देंगे।4– सदैव सड़क सुरक्षा व यातायात नियमों का पालन करेंगे ।दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे।5– अपने दैनिक कार्यों से भी माता-पिता, गुरूजनों व अपने देश व धरती माँ का मान बढ़ाने का प्रयास करेंगे । स्वयं को देश का बेहतर नागरिक बनाएंगे।

अभ्युदय वात्सल्यम संस्था द्वारा सांस्कृतिक उत्सव कार्यक्रम भी5 आयोजित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत सहस्त्रधारा रोड स्थित नागल हटनाला स्थित प्राचीन शिव मंदिर, अन्य मंदिरों देवालयों के साथ साथ, यमुना कालोनी स्थित मंदिर की साफ सफाई में सहयोग किया गया। स्वयंसेवकों द्वारा पूजा अर्चना करते हुए लोक-मंगल की कामना की गई। कार्यक्रम का मंच संचालन अभ्युदय वात्सल्यम₹ संस्था के संस्थापक डॉ0 अशोक कुमार मिश्र 'क्षितिज' द्वारा किया गया ।

कार्यक्रम का समापन खिचड़ी खाकर किया गया ।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से कैंट विधायक सविता कपूर,पार्षद सुमित्रा ध्यानी,समाजसेवी स्वप्निल सिन्हा, पार्षद नामित पार्षद संजय सिंघल, रंगकर्मी शिव कुमार, लोकगयक हरीश मेहरा 'हरदा' नैनोई, नन्दी मेहरा, भाजपा महानगर युवा मोर्चा अध्यक्ष देवेंद्र बिष्ट,आचार्य शशिकांत दुबे लोकगयक मनोज सावंत, विपुल मिश्रा, विवेक श्रीवास्तव, प्रमोद बेलवाल, अजयकान्त शर्मा, इनारा तलवार, विश्वविजय मिश्रा, अतुल गुप्ता, शफीक अहमद सहित अन्य लोग उपस्थित रहे ।

एक यूनिट ब्लड से कई लोगों को मिलता फायदा : मंत्री गणेश जोशी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून,15 जनवरी। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने संत निरंकारी सत्संग भवन प्रेम नगर ब्रांच में संत निरंकारी मिशन द्वारा आयोजित विशाल रक्तदान शिविर में प्रतिभाग किया गया। रक्तदान शिविर में बढ़ चढ़कर लोगों ने हिस्सा लिया और स्वैच्छिक रक्तदान किया।इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा जिस प्रकार निरंकारी मिशन द्वारा समाज की सेवा का कार्य कर रहे हैं। चाहे वह शिक्षा हो स्वस्थ हो सफाई के बारे में हो। उन्होंने कहा मसूरी में भी पर्यटक सीजन पिक के दौरान भी वहां की यातायात व्यवस्था भी निरंकारी मिशन द्वारा की जाती है।मंत्री ने कहा एक यूनिट ब्लड से कई लोगों को फायदा मिलता है। उन्होंने कहा आज देश के अंदर जिस प्रकार घटनाएं हो रही है। ऐसे में यह एक जन सेवा का बहुत बड़ा माध्यम है। इसके लिए कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने संत निरंकारी मिशन की टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं दी और लोगों से अधिक से अधिक संख्या में रक्तदान करने की अपील भी की। इस अवसर पर संत निरंकारी मिशन द्वारा कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी की शादी की 39वीं वर्षगांठ पर केक काटकर उन्हे बधाई एवं शुभकामनाएं दी और अरदास करते हुए उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की।इस अवसर पर कैंट विधायक सविता कपूर,जोनल इंचार्ज हरभजन सिंह, मुखी प्रेम नगर भवन, सत्य सिंह पुंडीर, कमेटी मेंबर वीरेंद्र रावत, सुरेंद्र जीत सिंह सहित कई लोग उपस्थित रहे।

मंत्री गणेश जोशी ने अधिक से अधिक संख्या में रक्तदान करने की अपील

22 जनवरी को अयोध्या से रामराज्य की होगी शुरुआत : सतपाल महाराज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 15 जनवरी , अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाले भव्य श्री राम मंदिर के उद्घाटन को लेकर जहां देश और दुनिया में राम भक्तों के उत्साह की अलग-अलग तस्वीर और खबरें आप पढ़ रहे हैं इस के साथ-साथ देश के अलग-अलग राज्यों में भी रोचक, दिलचस्प राम भक्तों की तस्वीर और सेवा भाव की खबरें भी सामने आ रही है। इन सबके बीच देवभूमि उत्तराखंड का मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम से रिश्ता भी आपको जरूर जानना चाहिए। जहां बागेश्वर धाम में बहने वाली सरयू नदी से अयोध्या के श्री राम का जन्म से रिश्ता जुड़ा हुआ है। यही नहीं उत्तरायण महापर्व और अयोध्या के श्री राम महोत्सव का भी बेहद खास नाता है।

उत्तराखंड के वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री और विश्व के कोने-कोने में अपनी आध्यात्मिक वाणी से करोड़ों भक्तों को सद्भावना की सीख देने वाले गुरु सतपाल महाराज भी राम मंदिर को लेकर बेहद उत्साहित और आनंदित हैं। भले ही 22 जनवरी को मंदिर का उद्घाटन हो लेकिन खुद सतपाल महाराज 17 जनवरी को अयोध्या पहुंच जाएंगे जहां होने वाली विशेष पूजन अनुष्ठान और यज्ञ में वह शामिल होंगे।

हिंदी दैनिक न्यूज़ वायरस के **कार्यकारी संपादक आशीष तिवारी** ने **विश्व गुरु सतपाल महाराज** से अयोध्या श्री राम और पीएम मोदी के विशेष 11 दिवसीय व्रत अनुष्ठान पर खास बातचीत की और जाना कि पीएम मोदी की 11 दिन के विशेष व्रत और श्री राम मंदिर उद्घाटन का क्या रिश्ता है ? तो आइये पढ़ते हैं सतपाल महाराज के साथ न्यूज़ वायरस के इस साक्षात्कार में कुछ खास सवालों के जवाब -

आशीष तिवारी - महाराज जी , आप विश्व भर में अपनी सद्भावना यात्राओं और प्रवचनों की वजह से मशहूर है , ऐसे में राम मंदिर उद्घाटन को लेकर आपके अनुयायियों और एनआरआई भक्तों के बीच कैसा उत्साह और जोश देख रहे हैं ?

विश्व गुरु सतपाल महाराज - मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का रिश्ता तो पूरी दुनिया से है , दुनिया के तमाम देश ऐसे हैं जो श्री राम को आराध्य मानते हैं उनकी आस्था और भक्ति श्री राम से जुड़ी है। कई देश ऐसे हैं जहां भव्य राम मंदिर और राम भक्तों की भारी संख्या में मौजूद हैं। ऐसे में आज जब कई सौ सालो का वनवास खत्म हो रहा है और प्रभु श्री राम अयोध्या में विराजने जा रहे हैं तो मुझे दुनिया भर से बधाई संदेश और शुभकामनाएं मिल रही है , न सिर्फ प्रवासी भारतीय बल्कि कई देशों में अलग-अलग धर्म और भाषा को बोलने वाले भी आज भगवान श्री राम के गुणगान करते हुए भव्य श्री राम मंदिर बनने से खुश और उत्साहित हैं।

आशीष तिवारी - एक आध्यात्मिक गुरु के रूप में आप आज बरसों बाद साकार हो रहे राम मंदिर निर्माण को लेकर कैसा अनुभव कर रहे हैं ?

विश्व गुरु सतपाल महाराज - बहुत ही प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है। एक ऐतिहासिक क्षण है ये और जैसा कि हम जानते हैं भगवान राम की महिमा विश्व में फैली है। म्यांमार थाईलैंड , मलेशिया इंडोनेशिया तक , मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम के चरित्र को दर्शाया जाता है। वैसे भी तुलसीदास जी ने हमे राम चरित मानस हमें दिया है जिसमें दुनिया के लिए एक सन्देश है तभी तो हर साल श्री राम की लीला का वर्णन और चित्रण देश दुनिया में किया जाता है। हम सब चाहते हैं कि भारत में भी रामराज्य हो। आज जब 22 जनवरी को ये शुभ अनुष्ठान होने जा रहा है तो निश्चित ही ये एक शुभ संकेत और जन जागरण हुआ है और ये 550 साल के संघर्ष की समाप्ति हुई है। इसमें अनगिनत लोगों ने बलिदान और योगदान दिया है निश्चित ही ये एक सौभाग्य की बात है

आशीष तिवारी - दुनियाभर से आपके भक्तों और प्रवासी भारतीयों से कैसा फीडबैक और सन्देश मिल रहा है ?

विश्व गुरु सतपाल महाराज - बेहद ख़ुशी और उत्साह भरे सन्देश मुझे मिल रहे हैं। विदेशों में बसे हर भारतीय को इस दिन का इंतज़ार है वो चाहते हैं कि नयी पीढ़ी श्रीराम की महिमा और गाथा को सुने समझे , लोग चाहते हैं कि घर में राम जैसा बेटा सीता जैसी बहु और हनुमान जैसा मित्र आज हमारे समाज में हों। मुझे आशा है कि बहुत जल्द अयोध्या हमारे सनातन धर्म का सबसे बड़ा केंद्र और राजधानी बन जाएगी। जब मैं साउथ कोरिया गया था तो पता चला की यहाँ के लोग अयोध्या के प्रति बहुत सम्मान और आस्था रखते हैं।

आशीष तिवारी - पीएम मोदी के 11 दिवसीय अनुष्ठान और व्रत के महत्व के बारे में बताएं आखिर इसकी क्या प्रक्रिया होती है ?

विश्व गुरु सतपाल महाराज - पीएम मोदी का जीवन एक योगी के जैसा है जब वो वाशिंगटन गए थे तो गर्म जल पीकर अपना नवरात्रि का व्रत पूरा कर रहे थे। एक बार फिर इस भव्य राम महोत्सव के लिए पीएम खुद को विशेष अनुष्ठान और पूजन से तैयार कर रहे हैं। ये तैयारी उन्होंने नासिक से शुरू कर दी है ,और पूरे भक्ति भाव से इसको कर रहे हैं। हालांकि किसी भी काम का विरोध होता ही है जैसे तुलसीदास जी के हिंदी में रामायण लिखने से हुआ था। जब राम का राजतिलक हो रहा था तो मन्थरा भी थी। हमें ये समझना चाहिए कि मोदी जी की भावना क्या है। जो कहा था कि राम लला हम आएंगे मंदिर वहीँ बनाएंगे तो वो आज पूरा हो रहा है।

आशीष तिवारी - आप पर्यटन और धर्मार्थ मंत्री के रूप 22 जनवरी तक किस तरह के आयोजन देवभूमि में आयोजित कर रहे हैं ?

विश्व गुरु सतपाल महाराज - राम युग से देवभूमि का गहरा रिश्ता है। बागेश्वर से निकली सरयू अयोध्या में बहती है। रघुनाथ जी देवप्रयाग आये थे जहाँ आज एक नहीं कई मंदिर आस्था के केंद्र हैं। यहाँ सीता कोटि है , वाल्मीकि जी का मंदिर है , ऋषिकेश में भरत और शत्रुघ्न मंदिर है , उत्तराखंड में हमने वैष्णव सर्किट बनाये हैं। आज जो भैलो और बूढी दिवाली उत्तराखंड मनाता है वो श्री राम के अयोध्या लौटे की ख़ुशी का ही प्रतीक है ऐसे में देवभूमि का अयोध्या से गहरा रिश्ता है जिसकी झलक आज उत्सव के रूप में पुरे प्रदेश में दिखाई दे रहा है। इस बीच मुझे सीएम योगी जी और उनके गुरु की भी याद आ रही है जिनका मुझे बहुत स्नेह मिला है , उन्होंने बहुत संघर्ष और प्रयास किया था अयोध्या के लिए उसी परम्परा में योगी जी भी आज आगे बढ़ रहे हैं। आज इंटरनेशनल एयरपोर्ट बना है दुनियाभर से राम भक्त आ रहे हैं। देश प्रदेश के राम भक्तों से मेरी अपील हैं कि 22 जनवरी को राम भजन करें आरती और पूजन कर इस दिन को राम जी को समर्पित करें।

स्वच्छ तीर्थ अभियान के तहत महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल ने चलाया स्वच्छता अभियान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 15 जनवरी : भारतीय जनता पार्टी महानगर की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ तीर्थ अभियान के तहत एक सप्ताह चलने वाले स्वच्छता अभियान के आह्वान पर महानगर के अध्यक्ष सिद्धार्थ उमेश अग्रवाल जी के द्वारा आईएसबीटी के निकट महाराणा प्रताप की मूर्ति एवं पार्क का स्वच्छ अभियान कार्यक्रम चलाया गया।कार्यक्रम में सैकड़ो की संख्या में प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट जी एवं महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ उमेश अग्रवाल जी के नेतृत्व में निरंजनपुर मंडी के समीप शिव मंदिर में सफाई अभियान किया गया इस सफाई अभियान के माध्यम से महानगर के सभी कार्यकर्ताओं ने स्वच्छता कार्यक्रम किया प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट जी ने कहा यह सब कार्यक्रम प्रभु श्री जी राम जी के चरणों में समर्पित हैं कई वर्षों बाद प्रभु श्री राम अयोध्या में विराजमान होने जा रहे हैं। साथ ही महानगर अध्यक्ष जी ने सभी युवा साथियों को आवाहन किया कि आज देश में राम मय राज स्थापित होने वाला है 22 जनवरी को जब प्रभु श्री राम अयोध्या में

विराजमान होंगे पूरा देश जगमगा उठेगा। जब देश के प्रधानमंत्री स्वयं स्वच्छता की ओर ध्यान दे रहे हैं हमें अपने सनातन धर्म को ध्यान में रखते हुए अपने आसपास के सभी मंदिरों में पूरे सप्ताह सफाई अभियान करना चाहिए।

महानगर देहरादून में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा कई विभिन्न स्थानों पर मंदिरों पर स्वच्छ अभियान कार्यक्रम चलाया गया। जिसमें प्रदेश महामंत्री आदित्य कोठारी जी बीस सूत्रीय कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति के उपाध्यक्ष ज्योति प्रसाद गैरोला जी अजीत चौधरी मधु भट्ट कोषाध्यक्ष पुनीत मित्तल अनिल गोयल सुभाष बर्थवाल और भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं द्वारा सभी सफाई अभियान किया गया। जिसमें में महानगर के सभी पदाधिकारी मोर्चा के पदाधिकारी सभी मंडल अध्यक्ष एवं सैकड़ो की संख्या में कार्यकर्ताओं ने प्रतिभाग किया।

वामपंथियों के नारे में क्या है लाल सलाम का मतलब ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 15 जनवरी , वामपंथी विचारधारा से जुड़े हुए लोगों का क्रांतिकारी अभिवादन 'लाल सलाम' से ही होता है. अक्सर आपने सड़कों, यूनिवर्सिटी और तमाम जगहों पर वामपंथी विचारधारा वाले लोगों को लाल सलाम बोलते हुए सुना होगा. लेकिन क्या आप जानते हैं कि लाल सलाम का असल मतलब क्या होता है. आज हम आपको बताएंगे कि वामपंथी विचारधारा से जुड़े हुए लोग लाल सलाम क्यों बोलते हैं.

लाल सलाम क्यों ?

वामपंथी विचारधारा के लोग लाल सलाम ही क्यों बोलते हैं. वो नीला, पीला या किसी और रंग का इस्तेमाल क्यों नहीं करते हैं. बता दें कि लाल का मतलब क्रांति होता है, सलाम

का मतलब सलाम होता है. अर्थात वामपंथी विचारधारा के हिसाब से ये हुआ क्रांति को सलाम. भारत में यह शब्द नक्सलवाद, माओवाद और वामपंथ से जुड़े लोगों द्वारा प्रयोग किया जाता है. इसे कभी-कभी सुर्ख सलाम भी कहा जाता है. यह शब्द माओवादी नेताओं से जुड़ा चला आ रहा है.

वामपंथी और दक्षिणपंथी विचारधारा

राजनीति में अक्सर आपने वामपंथी और दक्षिणपंथी शब्द सुना होगा. लेकिन वामपंथी और दक्षिणपंथी दोनों में विचारधारा का फर्क है. हालांकि राजनीति में हमेशा से ऐसा कभी नहीं था. इसकी शुरुआत फ्रांस से हुई थी. बता दें कि फ्रांस की नेशनल असेंबली में संविधान को तैयार करने के लिए पहुंचे नेताओं ने ऐसा निर्णय लिया था, जिससे लेफ्ट विंग और राइट विंग का जन्म हुआ था. धीरे-धीरे ये शब्द विचार से ऐसे जुड़े कि राजनीति दो धड़ों में बंट गई और भारत ही नहीं दुनिया के कई देशों में इन शब्दों का इस्तेमाल होता है.

वामपंथी विंग से ताल्लुक रखने वाले लोगों का मानना है कि समाज के हर इंसान के साथ एक जैसा व्यवहार होना चाहिए. किसी के साथ भेदभाव नहीं होना चाहिए. यह विचारधारा बराबरी, बदलाव और प्रगति को बढ़ावा देने पर फोकस करती है. इसके अलावा यह अमीरों से ज्यादा टैक्स वसूलने की बात कहती है, ताकि बराबरी का लक्ष्य हासिल किया जाए. वहीं वामपंथी विचार में राष्ट्रवाद का मतलब है सामाजिक बराबरी होता है. दक्षिणपंथी विचारधारा को रूढ़िवादी माना गया है. इनकी आर्थिक नीति में कम टैक्स वसूलने की बात कही गई है. इसमें अधिकारियों, परंपराओं और राष्ट्रवाद को अहम दर्जा दिया गया है.

मछली जल की रानी तो जल का राजा कौन ? ये है जवाब

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 15 जनवरी , मछली जल की रानी है जीवन उसका पानी है... बचपन में ये लाइने हर बच्चा दोहराता है. यही वजह है कि हम सभी को मालूम है कि जल की रानी मछली ही होती है, यदि मछली को जल से बाहर निकाल दिया जाए तो उसकी मौत हो जाती है, लेकिन क्या कभी सोचा है कि यदि जल की रानी मछली है तो फिर राजा कौन होगा? अगर आपका जवाब न होने वाला है तो चलिए इस मजेदार सवाल का दिलचस्प जवाब जानते हैं.

कौन होता है जल का राजा ?

मछली को जल की रानी तो वहीं सी लॉयन को जल का राजा कहा जाता है. इन्हें समुद्री शेर के नाम से भी जाना जाता है. कई लोग सील और सी लॉयन में कन्फ्यूज भी हो जाते हैं. दरअसल सी लॉयन सील से कुछ मिलते जुलते हैं इसलिए इन्हें सी लॉयन के नाम से जाना जाता है. आमतौर पर सी लॉयन समुद्र के किनारे तटों पर आराम करते हैं. इनमें सूंघने की कमाल की क्षमता होती है. वहीं ये समुद्र को गहराई से भी देख सकते हैं. इनके आगे के हाथ इतने मजबूत होते हैं कि ये उनके सहारे जमीन पर बैठ भी सकते हैं. साथ ही उनके हाथ शरीर के तापमान को बैलेंस करने में भी मददगार होते हैं.सी लॉयन स्वादिष्ट मछलियों और दूसरे भोजन के लिए समुद्र की 600 फीट गहराई में भी गोता लगा सकते हैं. हालांकि ये स्तनधारी होते हैं यही वजह है कि ये समुद्री शेर हमेशा पानी में नहीं रह सकते, इसलिए आराम करने के लिए ये पानी से बाहर आ जाते हैं.

11 फीट लंबे होते हैं सी लॉयन

सी लॉयन काफी अच्छे तैराक माने जाते हैं. वो एक बार में 10 से 20 मिनट तक पानी के नीचे रह सकते हैं. यदि इनकी रफ्तार की बात करें तो ये 29 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड से भाग सकते हैं. जिससे ये किलर व्हेल और शार्क जैसे समुद्री दुश्मनों से अपनी जान बचा पाते हैं. मेल सी लॉयन को बुल और फीमेल को काउ कहा जाता है. कुछ सी लॉयन सील को भी अपना आहार बना लेते हैं. वहीं मेल सी लॉयन की लंबाई 11 फीट तो फीमेल की 9 फीट होती है. ये 2200 पाउंड तक वजनी होते हैं.

अब आप और आपके बच्चे भी 'चला' सकते हैं ट्रेन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 15 जनवरी : बचपन में जिसने भी ट्रेन के सफर का मजा लिया है, उसके मन में यह ख्याल जरूर आया होगा कि वह बड़ा होकर ट्रेन चला सके. लेकिन बाद में हमें पता चलता है इसके लिए तो खास नौकरी करनी होती है और जबकि इसमें सैलरी भी बहुत नहीं मिलती है. पर क्या हो अगर आप को ट्रेन कुछ देर के लिए चलाने का मौका मिल जाए या वैसा ही कुछ अनुभव मिल जाए? और अगर ऐसा अनुभव बच्चों को मिल सके तो उनकी खुशी का ठिकाना ही नहीं रहेगा. यूके में ऐसा अनुभव देने की तैयारी चल रही है।

यूके की सबसे लोकप्रिय ट्रेन सफर करने वाली लंदन की डॉकलेंड लाइन रेलवे लाइन की ट्रेन में अब ड्राइवर की तरह सबसे आगे बैठा जा सकता है और उसे चलाने के जैसा आनंद भी लिया जा सकता है. ये ट्रेन बिना ड्राइवर के चलती हैं, इसलिए यात्री आगे की सीट पर बैठ कर उसी तरह से आनंद ले सकता हैइतना ही नहीं अब यात्री यह अहसास कर सकते हैं कि वही गाड़ी चला भी रहे हैं और सामने के ट्रैक को देख भी सकते हैं जैसे कि ट्रेन के ड्राइवर करते हैं. जल्दी ही डीएसआर लाइन में चलने वाली बहुत सारी ट्रेन में कार्डबोर्ड स्टीयरिंग व्हील लगाए जाएंगे जिससे बच्चों और वयस्कों को ड्राइवर जैसा अहसास हो सकेगा।

हाल ही में लंदन के मेयर से लंदन असेंबली में यह सवाल पूछा गया कि क्या वे डीएलआर के उपयोग को प्रोत्साहित करने लिए इसी प्रमोशन गतिविधि का समर्थन करते हैं. इस पर मेयर ने कहा था कि ट्रांसपोर्ट फॉर लंदन यानी टीएफएल इस पर विचार कर रही है कि कैसे बच्चों को डीएलआर ड्राइविंग का अनुभव दिया जा सके। सादिक खान ने यह भी बताया कि टीएफएल इसमें कार्डबोर्ड स्टीयरिंग व्हील भी शामिल कर सकती है. इसके लिए टीएफएल इसके लिए 2024 में कुछ ट्रायल भी करेगी, जिसमें यात्रियों को कई और बेहतर सुविधाएं भी दी जा सकेगी इन सुविधाओं के साथ यूके की सरकार ट्रेनों के सफर में लगने वाले समय को कम करने के प्रयास कर रही है।

Room Heater का इस्तेमाल है सेहत और स्किन के लिए नुकसानदेह!

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 15 जनवरी , क्या आप भी सर्दियों में रूम हीटर का इस्तेमाल करते हैं? अगर हां, तो क्या आपको इस बात की जानकारी है कि हीटर का इस्तेमाल करना भले ही आपको या आपके कमरे को गर्म करने के काम आता हो, लेकिन सेहत के लिहाज से इसका इस्तेमाल आपके लिए नुकसानदेह है।जी हां, सर्दियों में आपको गर्माहट देने के काम आने वाला रूम हीटर सेहत और त्वचा दोनों के लिए नुकसानदायक होता है। इससे आपको कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। आज हम आपको 5 ऐसी परेशानियों के बारे में बताने जा रहे हैं जो रूम हीटर का इस्तेमाल करने से हो सकती हैं।

Room Heater के इस्तेमाल से होने वाले नुकसान

1. सांस संबंधी समस्या- रूम हीटर के इस्तेमाल से आपको सांस संबंधी कई प्रकार के परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इसका मुख्य कारण है हीटर से हवा में नमी की कमी जिससे गले सुखने लगते हैं इसके कारण खांसी और अस्थमा जैसे समस्याएं आ सकती है।

2. डी-हाईड्रेशन की कमी- हटीर के इस्तेमाल से आपके शरीर में डी-हाईड्रेशन की कमी भी हो सकती है जिसके कारण आपको कई तरह के मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है क्योंकि शरीर में नमी की मात्रा कम होने के कारण अत्यधिक पसीना आना, शरीर में जलन सा होना इस तरह के कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

3. हवा की कमी- हीटर से पूरा कमरा गर्म रहता है जैसे ही उस कमरे से आप बाहर निकलते हैं तो आपके शरीर के तापमान में उतार-चढ़ाव होता है। इससे आपका इम्यून सिस्टम कमजोर हो सकता है जिससे आप बीमार भी पड़ सकते हैं।

4. एलर्जी- रूम हीटर के इस्तेमाल से आपको एलर्जी भी हो सकती है क्योंकि हीटर

की हवा कई प्रकार के एलर्जी को फैला सकते हैं जिससे कारण कई लोगों में एलर्जी और सांस संबंधी कई प्रकार परेशानी भी आ सकती है।

5. ड्राई स्किन- इसके इस्तेमाल से आपको स्किन से भी संबंधित कई प्रकार के समस्याएं आ सकती है Room Heater नमी के स्तर को काफी हद तक कम कर देता है, जिसके कारण त्वचा में जलन, ड्राईनेस इस तरह के कई समस्याएं उत्पन्न हो जाती है खासकर जो त्वचा संवेदनशील है उनके लिए और भी मुश्किलें बढ़ सकती है।

खाना खाने के बाद पानी पीना कितना सही , जानें एक्सपर्ट्स क्या कहते हैं

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 15 जनवरी : ऐसा माना जाता है कि खाना खाते वक्त या फिर खाना खाने के बाद तुरंत पानी पी लेने से आपका पाचन खराब हो सकता है। कई आयुर्वेदिक एक्सपर्ट्स का यह भी मानना है कि खाना खाने के कम से कम आधे घंटे बाद ही पानी पीना चाहिए। हालांकि, कई बार आप प्यास को कंट्रोल कर पानी नहीं भी पीते हैं, लेकिन इससे चक्कर में 2-3 घंटे बाद आपको पानी की याद आती है। इसकी वजह से आप डीहाइड्रेटेड हो सकते हैं। पोषण विशेषज्ञ भुवन रस्तोगी ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में बताया कि इस बात का कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है कि भोजन के समय पानी नहीं पीना चाहिए।

कई लोगों का मानना होता है कि खाने के साथ या तुरंत बाद में पानी पीने से डाइजेस्टिव एंज़ाइम्स घुल जाते हैं और पाचन पर असर डालते हैं। अभी तक इसका समर्थन करने के लिए कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है, इसलिए इसे कैसे मान लिया जाए?रपोषण विशेषज्ञ ने दूसरा लॉजिक देते हुए कहा कि हमारे खाने में वैसे भी कई सारे तरल पदार्थ होते हैं, और उनसे कोई नुकसान नहीं होता। हम सूप पीते हैं, सलाद में 80 से 90 फीसदी पानी होता है। पारंपरिक खाने की बात करें, तो हरी सब्जियों में पानी की मात्रा काफी होती है, सब्ज़ी में ग्रेवी भी पानी से ही बनाई जाती है। हम खाने के साथ छाछ पीते हैं। खाना खाने के बाद पानी न पीना असल

में नुकसान कर सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि हम खाने के बाद पानी पीने के लिए काफी देर इंतज़ार करते है, जिससे लंबा समय शरीर में पानी नहीं जाता।कई लोग खाना खाने से एक घंटा पहले और बाद में 2 घंटा पानी नहीं पीते। इससे वह दिनभर में 3-4 लीटर पानी नहीं पी पाते और शरीर में पानी की कमी होने लगती है। पानी की कमी से जल्दी-जल्दी कब्ज, एसिडिटी, यूरिन इन्फेक्शन, किडनी स्टोन्स आदि का जोखिम बढ़ता है। भुवन रस्तोगी का मानना है कि खाते समय पानी न पीने की जगह बेहतर है कि फोकस इस बात पर करें कि पानी का सेवन कैसे बढ़ाएं। अगर आप दोनों बातों का पालन कर पाते हैं, तो अच्छा है, लेकिन अगर इस चक्कर में कम पानी पी रहे हैं, तो यह सेहत को नुकसान पहुंचाएगा।

नींद में मुंह से सांस लेना हो सकता है खतरनाक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 15 जनवरी , क्या आप भी सोते वक्त मुंह से सांस लेते हैं तो यह आपकी सेहत के लिए ठीक नहीं है. आज हम इस आर्टिकल के जरिए बताएंगे कि नाक के बजाय मुंह से सांस लेते हैं तो आपको इसकी वजह से कई तरह की परेशानी हो सकती है. जानिए मुंह से सांस लेने से क्या नुकसान होता है. सांस लेना जिंदा रहने के लिए जरूरी है. क्योंकि जब तक सांस चल रही है आपकी जिंदगी चल रही है.

लेकिन क्या आपको पता है सांस लेने का तरीका भी बताता है कि आपकी सेहत ठीक है या नहीं? ऑक्सीजन फेफड़ें तक सही से पहुंच इसके दो तरीके हैं, एक नाक से दूसरा मुंह से. ज्यादातर लोग नाक से सांस लेते हैं, लेकिन वहीं कुछ लोग मुंह से सांस लेते हैं. कुछ लोग रात में सोते वक्त मुंह के जरिए सांस लेते हैं. यह सेहत के लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकता है. मुंह से सांस लेना कई बीमारियों को बढ़ावा दे सकता है. आइए जानें मुंह से सांस लेने में किन परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है. साथ ही जानेंगे सेहत के लिए ये क्यों नुकसानदायक है.

मुंह से सांस लेने की वजह

स्लीप एपनियानाक बंद होनाबढ़ा हुआ टॉन्सिलनेज़ल पॉलीप्सस्ट्रेस और टेंशनब्रेन फ्रॉगज्यादा थकावट होना

मुंह से सांस लेना क्यों माना जाता है खतरनाक

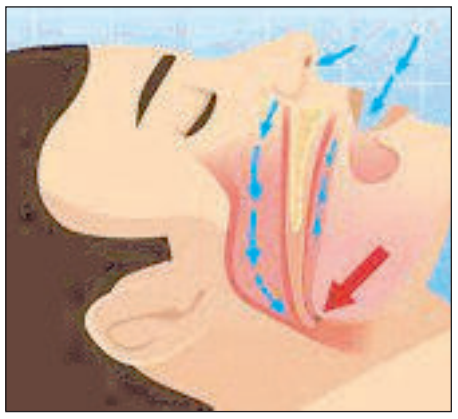

जब हम नाक के बजाय मुंह से सांस लेते हैं तो हवा बिना फिल्टर हुए सीधा हमारे अंदर चली जाती है. इससे ओवर ब्रीदिंग की शिकायत हो सकती है. मुंह से सांस लेने से खून में ऑक्सीजन और कार्बन-डाईऑक्साइड की वजह से बैलेंस बिगड़ सकता है. जिसके कारण ब्लड में PH का लेवल बिगड़ने लगता है. नाक के बजाय मुंह में किसी तरह का डिफेंस सिस्टम नहीं होता है. नाक से सांस लेने पर सर्दी-खांसी और सांस की बीमारी जल्दी ठीक हो जाती है. वर्कआउट के समय अगर आप मुंह से सांस लेते हैं तो वजन घटाने में तकलीफ हो सकती है.

संपादकीय

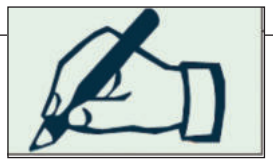

सार्वजनिक भूमि का बैंक बनाएं

राजस्व लोक अदालतों की शुरुआत करके सुक्खू सरकार ने जमीनी विवादों के आरंभिक कारणों को निरस्त नहीं किया, बल्कि समाज के संदर्भों में सौहार्द के बीज भी वो दिए। इंतकाल के 65 हजार मामलों का निपटारा अपने आप में केवल एक रिकार्ड नहीं, बल्कि हजारों परिवारों के लिए सुकून का रिकार्ड है। राजस्व विभाग को अनिर्णायक होने से बचाने के लिए यह कदम वर्षों की सुस्ती तथा फाइलों के जमघट से छुटकारा दिला रहा है। भूमि प्रबंधन और पारिवारिक विभाजन की सीमारेखा पर खड़े विवाद समाज से शांति और प्रदेश से संभावना छीनते रहे हैं। विवादों के तर्क से वर्षों की हानि, मेहनत की बर्बादी और भविष्य की अनिश्चितता को ये अदालतें वरदान साबित हो रही हैं, तो इसका साधुवाद हिमाचल सरकार को मिल सकता है। मंडे मीटिंग में हिमाचल से मुलाकात करते मुख्यमंत्री ने व्यवस्था परिवर्तन के कई अन्य रास्तों को भी चुस्त-दुरुस्त किया और जहां संकल्प आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का अलग विभाग, होटल व विश्रामगृहों का क्यू आर कोड से ऑनलाइन भुगतान, हमीरपुर में राष्ट्रीय कैंसर संस्थान तथा स्वरोजगार स्टार्ट अप योजना के आकार को नई शक्ल दे रहे हैं। दरअसल मंडे बैठक के जरिए मुख्यमंत्री राज्य का नजरिया बदलते हैं, योजना प्रारूप को शक्ल प्रदान करते हैं, युवाओं के प्रति अपनी भूमिका तथा हिमाचल की हर संभावना को संवाद तक ले जाते हैं। राजस्व विभाग में व्यवस्था परिवर्तन का अक्स, अब सुलझे तकसीम के मामलों तथा इंतकाल के कागजात पर नजर आने लगा है, लेकिन इसकी दूसरी भूमिका में सरकार को अपने लिए भूमि का इंतजाम करना है। योजनाओं-परियोजनाओं की खपत में आवश्यक सार्वजनिक भूमि की तलाश व इसकी वन भूमि से रिहाई किए बिना, हमारी तरक्की का आलम हमेशा दलदल में फंसा है। अगर निजी भूमि के इंतकाल व तकसीम के आंकड़े अब राहत की खिड़कियां खोल रहे हैं, तो आइंदा इस गति से सार्वजनिक भूमि को चिन्हित, वन भूमि से मुक्त तथा अतिक्रमण से छीन कर राज्य का एक व्यापक, समग्र और बहुआयामी लैंड बैंक स्थापित करना होगा। इससे पहले व्यावहारिक जरूरतों, नागरिक सुविधाओं, विकास की अनिवार्यता, तरक्की की गुंजाइश भविष्य की अधोसंरचना, शहरी विकास, औद्योगिक विकास तथा निवेश संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए सार्वजनिक भूमि की उपलब्धता का डाटा तथा अतिरिक्त भूमि का रास्ता खोलने की कसौटियां बुलंद करनी होंगी। राजस्व विभाग सार्वजनिक भूमि का राज्य स्तरीय डाटा बनाए, जबकि वन विभाग व अतिक्रमण से जमीन वापस लेने के लिए कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। भविष्य में हर शहर को चार बड़े मैदान, हर गांव को एक मैदान, शहरी विकास के तहत मनोरंजन-पर्यटक स्थल, बाजार-मॉल, पार्किंग स्थल, ट्रांसपोर्ट नेटवर्क, बस स्टैंड-बस स्टॉप, सीवरेज, विद्युत तथा जलापूर्ति व्यवस्था के लिए माकूल जमीन तथा पूरे राज्य में नए निवेश केंद्र विकसित करने के लिए अतिरिक्त जमीन का प्रबंधन करना होगा। हर ग्रामीण व शहरी निकाय के लक्ष्यों में भविष्य के अनुपात में भूमि बैंक स्थापित करने के उद्देश्य से विभागीय समन्वय कायम करते हुए, वर्ष के भीतर सारी कार्रवाई मुकम्मल होनी चाहिए।

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002
RNI No. : UTTHIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

व्हाट्सएप स्टेटस लगाते समय रखें इन बातों का ध्यान, वरना होगी जेल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 15 जनवरी : बढ़ती हुई टेक्नोलॉजी के साथ लोग भी एडवांस होते जा रहे हैं। यदि सोशल मीडिया की बात करें तो आज शायद ही कोई ऐसा होगा जिसके सोशल मीडिया के बारे में जानकारी नहीं होगी। लोग खुद से जुड़ी लगभर हर छोटी से बड़ी बात को भी सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से सबके साथ शेयर कर रहे हैं। ऐसे में आज हम आपको व्हाट्सएप से जुड़ी कुछ खास बातें बताने वाले हैं। यदि आप भी व्हाट्सएप का इस्तेमाल करते हैं और स्टेटस लगाते हैं तो यह खबर आपके लिए बेहद अहम होने वाली है, क्योंकि व्हाट्सएप स्टेटस लगाते वक्त यदि आप इन बातों का ध्यान नहीं रखते, तो हो सकता है कि आपको जेल के चक्कर भी काटने पड़ जाएं।

दरअसल हाल ही में बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर पीठ के द्वारा एक धार्मिक समूह में

- व्हाट्सएप स्टेटस लगा रहे है तो हो जाए सावधान
- व्हाट्सएप स्टेटस आपको पहुंचा सकता है जेल

व्हाट्सएप पोस्ट को लेकर आदेश दिया गया है। कोर्ट ने धार्मिक समूह के खिलाफ कथित तौर पर एक आरोपी (किशोर लांडकर) के द्वारा व्हाट्सएप के जरिए नफरत फैलाने वाली सामग्री पोस्ट की गई है। साथ ही उक्त व्यक्ति पर धार्मिक भावनाओं को जानबूझकर आहत करने के जुर्म में संबंधित भारतीय दंड संहिता की धाराओं, अनुसूचित sजाति/जनजाति अधिनियम और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत प्राथमिकी भी दर्ज की जा चुकी है।

इस मामले में कोर्ट ने कहा है कि, इन दिनों व्हाट्सएप का इस्तेमाल लोग स्टेटस पर अपने फोटो और वीडियो पोस्ट करने के लिए अधिकता से करने लगे हैं। इस स्टेटस का उद्देश्य दूसरे लोगों तक अपनी बात को पहुँचाना होता है। लेकिन स्टेटस पर कोई सामग्री डालने से पहले हमें अपनी जिम्मेदारी समझना चाहिए और ऐसी ही चीजें पोस्ट करना चाहिए जिससे किसी की भावनाएं आहत ना हो। आपको बता दें कि इस मामले में आरोपी के द्वारा प्राथमिकी को रद्द करने की याचिका भी दी गई थी लेकिन कोर्ट ने उसे खारिज कर दिया है।

यहाँ नहीं चलती हैं कारें, घोड़ा गाड़ियों-साइकिलों से सफर करते हैं लोग

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 15 जनवरी : अमेरिका के मिशिगन में मैकिनेक द्वीप है, जहां लगभग 125 सालों से मोटर व्हीकल्स पर बैन लगा हुआ है. पूरे द्वीप पर आपको ढूंढने से भी कारें नहीं मिलेंगी. यहां के लोग घोड़ा गाड़ियों और साइकिलों से सफर करते हैं. यही उनके यातायात के मुख्य साधन हैं. मोटर व्हीकल पर बैन से द्वीप को यह बड़ा फायदा हुआ है कि वहां कि हवा की क्वालिटी काफी अच्छी है. अब इसी द्वीप से जुड़ा एक फोटो वायरल हो रहा है. आइए जानते हैं कि ये द्वीप और किन बातों में अनोखा है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ये फोटो एक यूजर ने पोस्ट किया है, जिसके कैप्शन में बताया गया है कि, 'मैकिनैक द्वीप में 1898 से मोटर व्हीकल्स पर प्रतिबंध लगा हुआ है. केवल इमरजेंसी में ही स्नोमोबाइल्स को ही चलने की इजाजत दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार, द्वीप के नेताओं ने 6 जुलाई, 1898 को मोटर व्हीकल पर बैन लगा दिया क्योंकि लोगों ने शिकायत की थी कि नई मोटर गाड़ियां की वजह से उनके घोड़े डर जाते हैं. घोड़ों के बिदकना से होने वाली घटनाओं को देखते हुए तब मोटर व्हीकल्स पर बैन लगा दिया गया था।

मिशिगन की मैकिनेक काउंटी में मैकिनेक द्वीप एक समर रिसॉर्ट सिटी है, जो ह्यूरन झील के पास स्थित है. इस द्वीप की जनसंख्या 583 है और इसका सतह क्षेत्रफल 48.8 वर्ग किलोमीटर है. यह जगह अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाती है। प्राकृतिक सुंदरता के अलावा ये द्वीप ग्रांड होटल, आर्क रॉक और मैकिनेक कॉलेज के लिए भी काफी फेमस है. साथ ही द्वीप पर अद्भुत प्राकृतिक नजारे देखने को मिलते हैं, जिन्हें देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग यहां घूमने के लिए आते हैं. यह द्वीप अपने त्योहारों के लिए भी प्रसिद्ध है। इसके अलावा यहां स्थित द ग्रैंड होटल बड़ा ही फेमस है, जो यहां की सबसे आइकॉनिक इमारत है. यह एक विक्टोरियन डिजाइन का होटल है, जिसमें दुनिया का सबसे लंबा फ्रंट पोर्च है. होटल में खूबसूरत बगीचें भी हैं, जिनकी सुंदरता अद्भुत बताई जाती है।

उत्तराखंड से है भगवान श्रीराम का अटूट नाता : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हल्द्वानी , 15 जनवरी , प्रभु श्री राम का उत्तराखंड से अटूट नाता रहा है। भगवान श्री राम के पिता और महाराज दशरथ ने संतान प्राप्ति के लिए जिस सरयू नदी के किनारे अनुष्ठान किया था, उस सरयू नदी का उदगम स्थल बागेश्वर जिले में है। लंका दहन के बाद जब अयोध्या लौटे और मर्यादापुरूषोत्तम राजा रामचंद्र बने तब अहंकारी रावण वध को तारने के लिए देवप्रयाग के रघुनाथ मंदिर में पितृ यज्ञ किया था। यह बात मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हल्द्वानी में आयोजित रामोत्सव कार्यक्रम को संबोधित करते हुये कही। मुख्यमंत्री ने कहा राम देश की आत्मा है। यह हमारे लिए गर्व की बात है कि अयोध्या में आजकल रामलीला का मंचन हो रहा है ,वह देवभूमि के कलाकारों द्वारा किया जा रहा है। स्वयं उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ स्वीकार कर चुके है की देश की सर्वश्रेष्ठ रामलीला उत्तराखंड की है।

प्रभु श्रीराम हमारे आदर्श हैं जिनकी सभी लीलाएँ मानव जीवन में अनुकरणीय हैं

मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्रीराम की महिमा अपरंपार है, राम महर्षि बाल्मीकि के भी हैं, राम केवट के भी हैं, राम शबरी के भी हैं,राम निषादराज के भी ,राम विभीषण के भी हैं, राम सुग्रीव और हनुमान के भी हैं। राम आपके भी हैं, राम हमारे भी हैं....राम सबके हैं....इसीलिए वे मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम हैं। प्रभु श्रीराम हमारे आदर्श हैं जिनकी सभी लीलाएँ मानव जीवन में अनुकरणीय हैं। स्वयं ब्रह्म स्वरूप होते हुए भी उन्होंने मानव रूप में हम सभी के लिए अवतार लिया, और सच्चरित्र मनुष्य का जीवन कैसा होना चाहिए, इसका उदाहरण प्रस्तुत किया। भगवान राम के लिए बस यही कह सकता हूं कि राम देश की आत्मा, सम्मान, अभिनन्दन, उपासना है, संवाद और संवेदना है, राम देश के हैं और देश राम का है।

देवभूमि उत्तराखण्ड को भ्रष्टाचार मुक्त प्रदेश बनाना हमारा लक्ष्य

उन्होंने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के आदर्शों पर चलकर इस देवभूमि की सेवा करने का जो अवसर हमें मिला है उस अवसर को हम अपने 'विकल्प रहित संकल्प' के साथ पूरा करने के लिए निरन्तर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य को स्रवश्रेष्ठ राज्य बनने में भ्रष्टाचार रूपी रावण और नशा रूपी कुंभकर्ण को संहार करना हमारी प्राथमिकता है। युवाओं को नशे की प्रवृत्ति से बचाने के लिए खेल गतिविधियों को विकसित किया जा रहा है। युवाओं के साथ-साथ खेल प्रेमियों के लिए भी खेल गतिविधियों विकसित की जाएंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी 22 जनवरी को रामलला अयोध्या में विराजमान होने जा रहे हैं और यह ऐसा अवसर है, जिसके लिए हमने वर्षों इंतजार किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक सौ चालीस करोड़ देशवासियों को रामोत्सव मनाने का सुअवसर प्रदान किया है। उन्होंने सभी से 22 जनवरी को दीप जलाकर भगवान राम का गुणगान कर दीपोत्सव मनाने की अपेक्षा करते हुये कहा कि हमने रामभक्तों की आस्था का ध्यान रखते हुए एक ओर जहां रेल मंत्री से वंदे भारत ट्रेन का संचालन देहरादून से अयोध्याजी के मध्य करने का आग्रह किया है, वहीं दूसरी ओर उड्डयन मंत्री से जोलीग्रांट से अयोध्याजी के मध्य हेली सेवा भी शुरू करने की मांग की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हल्द्वानी और देहरादून से अयोध्याजी के लिए बस का संचालन प्रारंभ किया गया हैं। ये सब भगवान श्रीराम जी की ही कृपा है जो वे आज मुख्य सेवक के रूप में प्रदेश की जनता की सेवा करने में समर्थ हो सके हैं। और इसी प्रकार आप सभी की सेवा करने की प्रेरणा प्रदान करने के लिये भगवान श्रीराम से मेरी प्रार्थना है।

दुनियाभर में दिखती हैं उत्तराखंड की संस्कृति की झलक

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि आज सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी उत्तराखंड की संस्कृति की झलक दिखाई देती है। उत्तराखंडियो ने विदेशों में भी अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और लोक परंपरा को जीवंत रखा हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राम मंदिर आंदोलन के प्रति जागरण परिवार का विशेष योगदान तो रहा ही, राममंदिर और रामभक्तों को उनके द्वारा सहयोग भी दिया है। इसके लिए उन्होंने जागरण परिवार को धन्यवाद भी दिया।

बैलगाड़ी, साइकिल से चाँद व सूर्य तक की विलक्षण है यात्रा : स्वामी चिदानन्द सरस्वती

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ऋषिकेश, 15 जनवरी , परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने भारत के प्रथम अंतरिक्ष यात्री श्री राकेश शर्मा के जन्मदिवस के अवसर पर भारत की अद्भुत अंतरिक्ष उपलब्धियों व शानदार सफर को याद करते हुये कहा कि बैलगाड़ी व साइकिल से शुरू की भारत की यात्रा आज मंगल, चाँद और सूर्य तक पहुँच गई है जो वास्तव में गौरव का विषय है।

स्वामी जी ने भारत में आधुनिक अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक डा विक्रम साराभाई को याद करते हुये कहा आर्यभट्ट से चंद्रयान और आदित्य-एल 1 तक की भारत की अंतरिक्ष विकास यात्रा अद्भुत है। भारत ने चाँद पर तिरंगा लहराया, मंगलयान को मंगल की धरती पर उतारकर कीर्तिमान स्थापित किया, पीएसएलवी-सी 37 द्वारा एक साथ 104 उपग्रहों को अंतरिक्ष की कक्षा में स्थापित कर विश्व रिकॉर्ड कायम किया, अब भारत के पास अपना नेवीगेशन सिस्टम भी है, भारत ने अंतरिक्ष में सैटेलाइट को मार गिराने की एक बड़ी उपलब्धि हासिल की और भारत ने आदित्य-एल1 के माध्यम से सूर्य तक पहुंच बनायी। अभी तो यह शुरूआत है, यह तो भारत के सुनहरे भविष्य की नींव तैयार हो रही हैं। भारत का अंतरिक्ष मिशन आए दिन अपने ही बनाए रिकॉर्ड को तोड़ता हुआ अंतरिक्ष में एक नई इबारत लिखता जा रहा है।

1971 में श्री राकेश शर्मा ने अपने विमान 'मिग एअर क्रॉफ्ट' से महत्वपूर्ण सफलता हासिल कर दिखा दिया था कि कठिन परिस्थितियों में भी किस तरह अपने राष्ट्र के लिये शानदार कार्य किया जा सकता है। 1984 में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन और सोवियत संघ के इंटरकस्मिक

भारत के प्रथम अंतरिक्ष यात्री श्री राकेश शर्मा के जन्मदिवस पर विशेष

कार्यक्रम के एक संयुक्त अंतरिक्ष अभियान के अंतर्गत श्री राकेश शर्मा आठ दिन तक अंतरिक्ष में रहे। ये उस समय भारतीय वायुसेना के स्क्वाड्रन लीडर और विमानचालक थे।

3 अप्रैल 1984 को दो अन्य सोवियत अंतरिक्षयात्रियों के साथ सोयूज टी-11 में श्री राकेश शर्मा को लॉन्च किया गया। इस उड़ान में और साल्युत 7 अंतरिक्ष केंद्र में उन्होंने उत्तरी भारत की फोटोग्राफी की और गुरूत्वाकर्षण-हीन योगाभ्यास किया। वे अंतरिक्ष मे जाने वाले भारत के पहले ओर विश्व के 138वे व्यक्ति थे।02 अप्रैल, 1984 का दिन ऐसा ऐतिहासिक दिन है, जब कोई भारतीय पहली बार अंतरिक्ष में जाने में सफल रहा। भारत के लिये इस अनुपम उपलब्धि को हासिल कराने का श्रेय विंग कमांडर राकेश शर्मा को जाता है। उनकी अन्तरिक्ष उड़ान के दौरान भारत की तत्कालिन प्रधानमंत्री ने श्री राकेश शर्मा से पूछा कि अन्तरिक्ष से भारत कैसा दिखता है ? तब उन्होंने उत्तर दिया- 'सारे जहाँ से अच्छा' । अपने राष्ट्र के प्रति ऐसी अद्भुत निष्ठा थी। अशोक चक्र से सम्मानित विंग कमांडर श्री राकेश शर्मा की राष्ट्र भक्ति व देश प्रेम को नमन।

श्री राकेश शर्मा जी और आगे आने अतंरिक्ष वैज्ञानिकों के देश प्रेम, निष्ठा व उपलब्धियों ने भारतीय युवाओं को अंतरिक्ष के क्षेत्र में दिलचस्पी जगाने का काम किया। बाद में कल्पना चावला से लेकर सुनीता विलियम्स जैसे भारतीय मूल के अंतरिक्ष यात्रियों ने अंतरिक्ष में भारत का नाम रोशन किया। भारत की अंतरिक्ष यात्रा व उपलब्धियों के लिये इसरों के वैज्ञानिकों व हमारे कर्मठ, ऊर्जावान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का अभिनन्दन।

मंत्री गणेश जोशी ने प्राउड पहाड़ी सोसायटी समारोह को संबोधित किया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 15 जनवरी : कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने यमुना कॉलोनी स्थित मनोरंजन सदन थर्ड क्लब में प्राउड पहाड़ी सोसायटी द्वारा आयोजित सप्तम घुघुती महोत्सव 2024 के समापन कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया गया।

इस अवसर पर कार्यक्रम में विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गई। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा प्राउड पहाड़ी सोसाइटी द्वारा हमारी संस्कृति को संजोने रखने और उसके संवर्धन के साथ साथ अपनी संस्कृति को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का सराहनीय कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के महोत्सव के माध्यम से हमारी पहाड़ी संस्कृति के संरक्षण तथा प्रचार प्रसार में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा हमारी संस्कृति ने विश्व को दिशा दर्शन दिया है।मंत्री ने कहा मुख्यमंत्री

पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार कलाकारों के प्रोत्साहन और उनके उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने महोत्सव में प्रतिभाग करने वाले विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित भी किया। इस अवसर पर अध्यक्ष गणेश धामी, सचिव गौरव बिष्ट, देवेंद्र बिष्ट, प्रकाश नेगी, हृदयेश शाही, मनोज, सुमित रतूड़ी सहित कई लोग उपस्थित रहे।